खबर संक्षेप

करियागांव में रक्तदान और एड्स जागरूकता पर विशेष अभियान

मण्डला। 05 जनवरी 2025 प्रधानमंत्री उत्कृष्ट महाविद्यालय रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मण्डला, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में गोदग्राम करियागांव में रक्तदान और एड्स जागरूकता पर वृहद जनजागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल गुप्ता के नेतृत्व व विशेष मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में ग्राम सरपंच उमाशंकर सोयाम ने एनएसएस के उद्देश्यों और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम अधिकारी अरविंद कुमार ठाकुर ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य केवल सेवाभाव ही नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना भी है। जनपद अध्यक्ष सकुना उइके ने अपने संबोधन में रक्तदान और एड्स जागरूकता जैसे विषयों पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "रक्तदान सबसे बड़ा दान है। इससे जरूरतमंदों की जान बचाई जा सकती है। हमें इसे मानवता की सेवा के रूप में अपनाना चाहिए।" उन्होंने एड्स पीड़ितों के प्रति सहानुभूति और सम्मानजनक व्यवहार को बढ़ावा देने की बात कही और एनएसएस के सेवा कार्यों की प्रशंसा की।

आईटीआई से हुआ भ्रष्टाचार का खुलासा

9 दिनों में निर्माण और भुगतान

*** जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का फजीवाड़ा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

शासन ने पैसा किसी और काम के लिये दिया और यहां के अधिकारी उसे कहीं और खर्च किये सारी प्रक्रिया महज 09 दिनों में पूर्ण कर चहेते को भुगतान भी कर दिया।

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में हुए फेंसिंग कार्य में अनियमितताओं को लेकर एक गंभीर खुलासा हुआ है। यह खुलासा सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत प्राप्त जानकारी से हुआ है। आरोप है कि निर्माण कार्य में भारी अनियमितताएं की गईं, जो भ्रष्टाचार और घोटाले की ओर इशारा करती हैं। मामला इतना गंभीर हो गया है कि प्रशासन में हड़कंप मच गया है।

आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 4 लाख रुपये की राशि, जो ग्रंथालय मे वाहन स्टैंड के निर्माण के लिए आवंटित की गई थी, का उपयोग अन्य कार्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय मे फेंसिंग एवं वाहन स्टैंड निर्माण के लिए कर लिया गया। इस पर शिकायत की गई है कि इस राशि का उपयोग बिना भोपाल से अनुमति लिए अन्य कार्यों में किया गया। यह पूरी प्रक्रिया महज 9 दिनों में पूरी की गई, जिसमें कोटेशन मंगाने से लेकर भुगतान तक की प्रक्रिया समाहित थी।

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जिला मण्डला

मदीना वेल्डिंग शॉप

18 दिसंबर 2023 को तीन स्थानीय फर्मों से कोटेशन मंगाए गए और 22 दिसंबर 2023 को कार्यादेश जारी कर दिया गया। उसी दिन 3,99,600 रुपये का बिल पास किया गया और भुगतान प्रक्रिया शुरू हो गई। हालांकि, यह कार्य जिला ग्रंथालय में नहीं, बल्कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में कराया गया, जो संदेहास्पद है।

इसके अलावा, सबसे बड़ी अनियमितता यह सामने आई कि इस कार्य का बिल बिना जीएसटी के पास कर दिया गया। फर्म के बिल में कई संदिग्ध जानकारियां पाई गईं, जैसे 30 हजार रुपये की सैंटिंग का उल्लेख, जबकि ऐसा कोई सैटिंग कार्य हुआ ही नहीं। सीमेंट की मात्रा का कोई विवरण नहीं था, फिर भी 25 हजार रुपये का भुगतान किया गया। रेत और लोहे की सामग्री के बारे में भी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई।

यहां तक कि कार्य पूरा होने के बाद विभाग द्वारा जारी प्रमाण पत्र में न तो डिस्पैच नंबर था और न ही दिनांक, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ जाती है। आरटीआई कार्यकर्ता द्वारा मामले की जानकारी मांगी जाने पर विभाग ने जानकारी देने से इनकार किया और उसे गुमराह किया। बाद में, जब कार्यकर्ता ने जिला पंचायत सीईओ के पास अपील की, तब उसे 10 दिसंबर 2024 को जानकारी दी गई।

यह मामला केवल एक निर्माण कार्य में अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शिक्षा विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही की गंभीर कमी को उजागर करता है। अगर प्रशासन इस मामले की निष्पक्ष जांच करता है, तो यह संभव है कि कई अन्य भ्रष्टाचार के मामले सामने आएं। शिकायतकर्ता ने कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत से लेकर लोक शिक्षण संचालनालय मे शिकायत कर इस मामले की जांच करने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

इस पूरे घटनाक्रम से यह साफ है कि सरकारी कार्यों में धन का दुरुपयोग और अनियमितताएं आम हो चुकी हैं, जो आम जनता का विश्वास सरकारी तंत्र पर कमजोर करती हैं। यदि इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं की जाती, तो यह एक उदाहरण बनेगा कि किस तरह से सरकारी धन की बंदरबांट होती है।

हमें अपने अंदर स्थित परमात्मा को प्राप्त करने का लक्ष्य रखना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जब-जब धरा पर अत्याचार, दुराचार, पापाचार बढ़ा है, तब-तब प्रभु का अवतार हुआ है। प्रभु का अवतार अत्याचार को समाप्त करने और धर्म की स्थापना के लिए होता है। जब धरा पर मथुरा के राजा कंस के अत्याचार अत्यधिक बढ़ गए, तब धरती की करुण पुकार सुनकर श्री हरि विष्णु ने देवकी माता के अष्टम पुत्र के रूप में भगवान श्री कृष्ण ने जन्म लिया। यह बात निवास के श्री दादा दरबार लधाटोला में चल श्री मद्भागवत पुराण के चौथे दिवस की कथा में कथा वाचक पं. संतोष शास्त्री पदमी वाले ने कही।

शास्त्री जी ने बताया कि गोपियों के घर से श्रीकृष्ण ने केवल माखन चुराया अर्थात सार तत्व को ग्रहण किया और असार को छोड़ दिया। प्रभु हमें समझाना चाहते हैं कि सृष्टि का सार तत्व परमात्मा है। इसलिए असार यानी संसार के नश्वर भोग पदार्थों की प्राप्ति में अपने समय, साधन और सामर्थ को अपव्यय करने की जगह हमें अपने अंदर स्थित परमात्मा को प्राप्त करने का लक्ष्य रखना चाहिए। इसी से जीवन का कल्याण संभव है। शास्त्री जी ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म की कथा सुनाते हुए कहा कि श्री कृष्ण से संस्कार की सीख लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण स्वयं जानते थे कि वह परमात्मा हैं, उसके बाद भी वे अपने माता पिता के चरणों को प्रणाम करने में कभी संकोच नहीं करते थे।

सिद्धेश्वर धाम श्रीमदभागवत महापुराण सम्पन्न

मण्डला। सिद्धेश्वर धाम देवबप्पा आश्रम के पास सुरंगदेवरी में 28 दिसंबर से 5 जनवरी तक श्रीमदभागवत महापुराण का आयोजन किया गया। कथावाचक पं. ललित मिश्रा ने बताया कि सद्गुरू शिर्डी सॉईनाथ महाराज की कृपा, परमगुरु श्री बाल प्रेम जी महाराज एवं माता-पिता के आशीष से जीव कल्याण सेवा संस्थान (सॉई दरबार) अपने धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में आप सभी के सहयोग से सफलता पूर्वक दशम वर्ष में प्रवेश कर चुका है, जिसके उपलक्ष्य में सिद्धेश्वर धाम सुरंगदेवरी में श्रीमद् भागवत महापुराण का आयोजन किया गया था। प्रथम दिवस भव्य मंगल कलश यात्रा निकाली गई। साथ ही सर्वदेव प्रतिष्ठा की गई। वहीं 5 जनवरी को साँई जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया साथ ही गीता, पूर्णाहुति, कन्याभोज एवं भण्डारा का भी आयोजन किया गया। सिद्धेश्वर धाम सुरंगदेवरी में कथावाचक पं. ललित मिश्रा एवं आचार्य पंडित सनद महाराज की उपस्थिति में सम्पूर्ण श्रीमद् भागवत महापुराण का समापन किया गया। यहां पर समापन के अवसर पर भंडारा का आयोजन भी किया गया। धर्मप्रेमी समाजसेवी के साथ स्थानीय ग्रामीण व भक्तगण काफी संख्या में आश्रम पहुंचे।

दिव्यांगजनों के लिए सेवाभाव से काम करना सच्ची मानवता की सेवा है

*** मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने दिव्यांगजनों को ई-साईकिल रिक्शा और हेलमेट का वितरण किया।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार दिव्यांगजनों के लिए सेवाभाव से काम कर रही है। सरकार ने दिव्यांगजनों के विकास और उत्थान के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकलांग के स्थान पर दिव्यांगजन नाम देकर उन्हें गौरवान्वित किया है। दिव्यांगजनों की सेवा करना ही सच्ची मानवता की सेवा करना है। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके सोमवार को निषादराज भवन में आयोजित सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन उपकरण वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके के आगमन पर उन्हें पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। उन्होंने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जनपद पंचायत मण्डला अध्यक्ष सोनू भलावी, भाजपा नगर अध्यक्ष शिवा रानू राजपूत, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट, डिप्टी कलेक्टर आशुतोष ठाकुर, मुख्य नगरपालिका अधिकारी गजानंद नाफड़े, प्रफुल्ल मिश्रा सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि सरकार के द्वारा दिव्यांगजनों के लिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन के माध्यम से प्रतिमाह दिव्यांग पेंशन दिया जाता है। जिससे दिव्यांगजनों को किसी भी प्रकार से आर्थिक समस्याओं का सामना न करना पड़े। शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कर दिव्यांगजनों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं। दिव्यांगजनों को स्कूल और कॉलेजों में छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। शिविर लगाकर उन्हें निःशुल्क ट्राईसिकल, बैसाखी, श्रवण यंत्र और कृत्रिम अंग उपलब्ध कराए जाते हैं।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सोमवार को नेहरू पार्क का निरीक्षण किया

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सोमवार को नगरपालिका मण्डला में नर्मदा नदी के तट पर स्थित नेहरू पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देशित किया कि नेहरू पार्क में साफ सफाई और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने इस अवसर पर नेहरू पार्क में प्लास्टिक या पन्नी का उपयोग न करने को कहा। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट, डिप्टी कलेक्टर आशुतोष ठाकुर, मुख्य नगरपालिका अधिकारी गजानंद नाफड़े सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

पर्यटन | **'अनुभूति' कार्यक्रम से वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण की दिशा में कार्य होंगे।**

अजगर दादर को अब मिलेगी एक नई पहचान

*** 'अनुभूति' कार्यक्रम से पर्यटक होंगे आकर्षित।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि वन विभाग के द्वारा 'अनुभूति' कार्यक्रम आयोजित कर वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण की दिशा में कार्य किया जा रहा है। 'अनुभूति' कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण के महत्व को बताया जा रहा है। जिससे विद्यार्थी बचपन से ही वन्य जीवों की जीवनशैली और वनों की महत्वता के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि 'अनुभूति' कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण के लिए सहायक बनेंगे। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके सोमवार को अजगर दादर ग्राम ककैया में वन विभाग द्वारा 'ईको पर्यटन क्षेत्र अजगर दादर के भूमिपूजन' के अवसर पर आयोजित 'अनुभूति' कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि वन विभाग के द्वारा अजगर दादर की तरह लगातार कैम्प लगाना चाहिए। जिससे जिले के पर्यटक और दर्शनीय स्थलों की जानकारी सभी को हो सके।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि अजगर दादर में वन विभाग के द्वारा अजगर सांपों को संरक्षित करने का कार्य किया गया है। जिसकी वजह से अजगर सांपों की संख्या अत्यधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि अजगर सांपों की संख्या इस क्षेत्र में अधिक होने के कारण वन परिक्षेत्र के द्वारा अजगर सांपों को संरक्षित करने के लिए इस स्थल का चयन किया गया है। जब भी कोई पर्यटक या नागरिक इस क्षेत्र में सुबह-सुबह आते हैं तो उन्हें अजगर सांप दिखाई देते हैं। अजगर दादर में सांपों को संरक्षित करने के लिए इस क्षेत्र के नागरिकों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। वन विभाग के द्वारा 'अनुभूति' कार्यक्रम के माध्यम से वन एवं वन्यप्राणियों को संरक्षण करने का कार्य किया जा रहा है। जिससे विद्यार्थी और नागरिकों की सहभागिता ली जा रही है। उन्होंने इस कार्य के लिए वन विभाग के अमले को धन्यवाद दिया। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने 'अनुभूति' कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों और नागरिकों को वन एवं वन्य जीवों के संबंध में जानकारी देने को कहा। जिससे वे वन एवं वन्यजीवों का महत्व समझ सकें और इनके संरक्षण की दिशा में कार्य करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी 'अनुभूति' कार्यक्रम से सीखकर अपने स्कूलों और घरों में सभी को वन एवं वन्य प्राणियों के संरक्षण के बारे में जानकारी दें।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि वन विभाग के द्वारा लगातार वन एवं वन्य जीवों के बचाव के लिए कार्य किए जा रहे हैं। इस कार्य में वन समितियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

क्रीड़ा भारती महाकौशल का जिला स्तरीय कराटे प्रशिक्षण हुआ संपन्न

*** प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह तोमर का मंडला में एक दिवसीय प्रवास हुआ।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

क्रीड़ा भारती महाकौशल प्रांत जिला मण्डला में एक दिवसीय कराटे प्रशिक्षण हुआ संपन्न इस अवसर पर महाकौशल प्रांत के प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह तोमर का मण्डला प्रवास हुआ कार्यक्रम की शुरुआत पर मंच में उपस्थित राजेंद्र सिंह तोमर उपाध्यक्ष क्रीड़ा भारती महाकौशल प्रांत मंडला जनपद अध्यक्ष संतोष सोनू भल्लावी जिला पंचायत सदस्य संदीप सिंह क्रीड़ा भारती विभाग संयोजक शंशाक मिश्रा जिला अध्यक्ष मण्डला योगेश कछवाहा जी जिला मंत्री संदीप कुशवाहा जी एवं मंच पर अतिथियों द्वारा भारत माता चित्र पर दीप प्रज्वलित पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कीड़ा भारती द्वारा यह एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर मण्डला जिले के विभिन्न ब्लॉकों से लगभग 35 से अधिक कराटे प्रशिक्षण देने वाले कराटे प्रशिक्षक कोच उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा कार्यक्रम संबंधित अपने-अपने विचार कार्यक्रम में उपस्थित महानुभावों के साथ व्यक्त किए।

एक दिवसीय प्रवास पर आए क्रीड़ा भारती प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह तोमर द्वारा कराटे प्रशिक्षकों को कराटे संबंधित कुछ विशेष जानकारी का प्रशिक्षण दिया गया ताकि अपने-अपने क्षेत्र पर यह प्रशिक्षक गुणवत्ता के साथ कराने का प्रशिक्षण शिक्षार्थियों को दे सके। इस अवसर पर कार्यक्रम में क्रीड़ा भारती जिला उपाध्यक्ष मोहन ठाकुर जिला सह मंत्री अजय कुमार युवा इकाई प्रमुख मयंक कीड़ा भारती के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

सेवा निवृत एस आई दुबे का निधन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। स्थानीय आई टी आई कालोनी के पीछे निवास करने वाले तथा सेवा निवृत एस आई रमेश दुबे का बीते हुये दिवस अचानक हृदय गति रूक जाने के कारण निधन हो गया। ज्ञात हो कि दुबे द्वारा गाडरवारा पुलिस थाने के अलावा जिले के अन्य थानों सहित छिंदवाडा जिले के अनेक थानों में पदस्थ रहते हुये अपनी शासकीय सेवा के चलते जहां अनोखी पहचान बनाई गई थी। रमेश दुबे नगर के युवा पत्रकार साथी सुमित दुबे के पिताश्री थें। स्व. दुबे की शव यात्रा में नगर के अनेक वर्ग के लोगों ने शामिल होकर अपने श्रद्वासुमन अर्पित किये।

ओशो निर्वाण महोत्सव पर ओशो लीला आश्रम में तीन दिवसीय ध्यान शिविर

गाडरवारा। विश्व प्रसिद्ध दार्शनिक ओशो का निर्वाण महोत्सव ओशो लीला आश्रम में धूमधाम से मनाया जायेगा जिसकी तैयारियां शुरू हो गई है। आचार्य रजनीश ओशो ने कहा है कि जैसे जन्मोत्सव मनाया जाता है । वैसे ही मृत्यु को भी महोत्सव के रूप में मनाना चाहिए। इसी बात को साक्षी रखकर ओशो लीला आश्रम में आने वाली 19 जनवरी को ओशो निर्वाण उत्सव के अवसर पर तीन दिवसीय ध्यान शिविर का आयोजन आनंदमय तरीके से किया जायेगा। बताया जाता है कि यह तीन दिवसीय ध्यान शिविर 17 जनवरी की शाम को व्हाइट रौब के साथ शुरू होगा और 20 जनवरी को समापन होगा। इस ध्यान शिविर में ओशो द्वारा बताई गई ध्यान विधियों का प्रयोग किया जायेगा , इस ध्यान शिविर में स्थानीय ओशो सन्यासियों के अलावा अन्य शहरों से आये ओशो सन्यासी हिस्सा लेंगे।इस शिविर का संचालन स्वामी ध्यान आकाश एवं मां प्रेम गंगा द्वारा संयुक्त रूप से किया जायेगा।

नवागत प्राचार्य ने शिक्षकों की बैठक लेते हुये दिये दिशा निर्देश

गाडरवारा। शीतकालीन अवकाश के बाद सोमवार को क्षेत्र के चीचली ब्लॉक अंतर्गत ग्राम तेंदूखेड़ा छोटा मे नवागत प्राचार्य ने अपना कार्यभार ग्रहण किया एवं शिक्षकों की बैठक लेते हुये उन्होंने कहा कि 10 एवं 12 वीं की परीक्षाओ की बेहतर ढंग से तैयारी कराएं। संकुल की सभी शालाओं मे कक्षा 5 एवं 8 वीं परीक्षा की तैयारी के लिए सभी शिक्षक बेहतर कार्य करें एवं निर्धारित समय सीमा मे कोर्स पूर्ण होना चाहिये। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हम सभी मिलजुलकर छात्र छात्राओं के हितार्थ अच्छा करें। इस अवसर पर जनशिक्षक संजय सोनी सहित शिक्षकों की उपस्थिति रही। ज्ञात हो कि ब्लाक शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी आदेश के तहत हाईस्कूल प्राचार्य चंदन शर्मा को शा उ मा विद्यालय तेंदूखेड़ा छोटा मे प्राचार्य का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर होगा सामूहिक सूर्य-नमस्कार

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। युवाओ के प्रणेता स्वामी विवेकानंद जन्म जयंती 12 जनवरी को प्रतिवर्ष युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। युवा दिवस के मौके पर विद्यालयों, महाविद्यालयों और शिक्षण संस्थाओं में सामूहिक सूर्य-नमस्कार का आयोजन किया जायेगा । तत्संबंध मे जारी निर्देश के अनुसार सामूहिक सूर्य-नमस्कार और इससे जुड़े कार्यक्रमों में स्वयंसेवी संगठनों और आम लोगों की भागीदारी भी सुनिश्चित करने के लिये कहा गया है। विभाग द्वारा जारी निर्देशों में यह स्पष्ट किया।

लगातार गिर रहे गुड के रेट को लेकर क्षेत्र के गन्ना उत्पादक किसानों के चेहरों पर दिखाई पड़ रही चिंता की लकीरे

रविवार को लगने वाली गुड मंडी में रेट कम होने के कारण निराशा के बीच गुड बेचने के लिये मजबूर हुये किसान, यदि यही स्थिति बनी रही तो बर्बाद होने से नही बच पायेगा अन्नदाता किसान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जिस प्रकार से क्षेत्र का किसान चारों ओर परेशानियों से घिरा हुआ है उसके चलते उसकी आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती चली जा रही है। क्योंकि बीते हुये वर्ष क्षेत्र के किसानों को गन्ना का सही दाम नही मिलने के कारण उनके हाथ निराशा लगी हुई थी । मगर अन्नदाता को उम्मीद थी कि शायद जिस तरह बाजार में हर चीज महंगी हो रही है तो इस वर्ष उनका गुड के रेट भी अच्छे मिलेगे। मगर जिस तरह हर बाजार गुड के दाम गिरते हुये देखे जा रहे है वह निश्चित तौर से किसानों को चिंता में डालने से नही चूक रहा है। क्योंकि क्षेत्र की शुगर मिलों द्वारा निर्धारित की गई दरों पर भुगतान करने की बात तो कही जाती है। मगर वह दाम समय पर नही मिल पाता है। इसी सोच के चलते क्षेत्र के अनेक किसानों द्वारा इस वर्ष शुगर मिलों की जगह अपने ही खेतों में गुड बनाने की सोच रखते हुये गन्ना थ्रेशर लगाते हुये गन्ने की पिराई शुरू कर दी गई है। मगर गुड मंडी में जिस प्रकार से हर रविवार गुड के दाम नीचे की ओर गिरते जा रहे है उसके चलते क्षेत्र के गन्ना उत्पादक किसानों को चिंता में डूबते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि जिस दाम पर अभी गुड की बिक्री हो रही है उसके आधार पर किसानों द्वारा अपनी गन्ना फसल को तैयार करने में लगाई हुई लागत निकलपाना भी मुश्किल जान पड़ रहा है? प्रकृति की मार झेल रहे किसानों को उम्मीद थी कि शायद गन्ना फसल से उन्हें कुछ राहत मिलेगी। मगर जिस स्थिति में गुड़ के दाम हर बाजार नीचे की ओर खिसक रहे है उससे अनुमान लग रहा है कि आने वाले दिनों में ओर सस्ता हो जावेगा...? क्योंकि हर साल देखा जाता था कि मकर संक्रांति के पहले गुड़ के दामों में बढ़ोत्तरी रहती है। मगर बीते हुये रविवार को 100 रूपया प्रति क्विंटल की गिरावट देखने मिली है। अब मकर संक्रांति के पहले मात्र एक ही रविवार को बाजार शेष बचा है। इस तरह क्षेत्र के अनेक किसानों ने इस वर्ष सोचा था कि वह अपने खेत पर ही गुड़ बनाकर उसे बाजार में बेचकर गन्ने की सही लागत प्राप्त कर लेगा। मगर अब बाजार में गुड़ के खरीददारों द्वारा जिस रेट पर किसानों का गुड़ खरीदा जा रहा है उसमें अन्नदाता किसानों के चेहरों पर निराशा के बादल मडराने से नही चूक पा रहे है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये रविवार को स्थानीय गुड़ मंडी में उस समय देखने मिली जब क्षेत्र के किसान अपना गुड़ बेचने के लिए मंडी पहुंचे तो वहां पर खरीददारों द्वारा बीते हुये सप्ताह की अपेक्षा कम दर से किसानों के गुड़ की बोली लगाना शुरू किया गया उसे सुनकर किसान दंग रहे गये थें। मगर बेचारे किसान कर भी क्या सकते है मायूस होते हुये किसानों को उसी दाम पर गुड बेचने के लिये मजबूर होना पड़ा। इस प्रकार से बीते हुये रविवार को नगर की गुड मंडी में जहां गुड के दाम 3800 से लेकर 3500 रूपया प्रति क्विटल तक रहा था। मगर इस सप्ताह यानि की आने वाले रविवार देखा जावेगा कि आखिरकार किसानों की मेहनत को व्यापारी कहा तक महत्व देते है..? इस तरह हर सप्ताह किसानों के गुड के दाम नीचे की ओर गिरते चले जा रहे है जिसके चलते गुड बनाने वाले किसानों से जब हरिभूमि टीम ने चर्चा की गई तो ग्राम महगंवा चिर्रिया निवासी कृषक सुधीर कौरव का कहना है कि इस समय क्षेत्र का किसान चारों ओर अनेक परेशानियों से जूझ रहा है। क्योंकि शुगर मिलों द्वारा जिस प्रकार से किसानों को गन्ने का रेट दिया जा रहा है उससे किसानों द्वारा अपनी गन्ना फसल में लगाई गई लागत भी नही निकल पा रही है, इसके बाद किसानों ने सोचा की वह अपनी कुलहरों पर गुड़ बनाकर बेचेगा तो उसे काफी राहत मिलेगी। मगर जिस प्रकार से मगर हर सप्ताह मंडी में गुड़ के व्यापारियों द्वारा कूट रीति रचते हुये गुड़ की खरीद की जा रही है उससे हर सप्ताह गुड़ के दाम नीचे की ओर चले जा रहे है। मगर मजबूर किसानों के सामने और कोई रास्ता नही बचा है जिसके चलते वह ओने पोने दामों में अपने गुड को बेचने के लिये मजबूर देखा जा रहा है। इसी प्रकार से ग्राम बांसखेड़ा निवासी कृषक महेश पटैल का कहना है कि क्षेत्र का किसान बीते हुए कुछ वर्षो से प्रकृति की मार झेलते हुए अपने जिन्दगी को चला रहा है। मगर उसमें भी जिस तरह से उसके खून पसीना से पैदा की जा रही फसलों की कीमत आंकी जा रही है उसे चलते किसानों में आक्रोश पैदा हो रहा है। क्योंकि जहां किसानों को उसकी फसल का सही दाम नही मिल पा रहा है। वही दूसरी ओर यही हाल अब गुड़ को लेकर बना हुआ है। मंडियों में गुड़ व्यापारियों द्वारा किसानों का गुड़ खरीदने के लिए जिस प्रकार से कार्य प्रणाली अपनाई गई है उसके चलते किसानों द्वारा गन्ना फसल में लगाई गई लागत निकलना भी मुश्किल जान पड़ रहा है। इस प्रकार हर सप्ताह लगातार गिर रहे गुड के दामों के चलते किसान परेशान होने के लिये मजबूर देखा जा रहा है। ग्राम कामती निवासी कृषक अरविन्द्र ममार का कहना है कि जिस तरह सरकार द्वारा किसानों को उसकी खेती के लिसे संकट पैदा करते हुये नये नये कानून बनाती चली जा रही है उसके चलते लगता है कि अब शायद किसानों को बर्बाद करते हुये गुलामी की जंजीरों में बांधने की तैयारी हो चुकी है। क्योंकि जब किसान रात दिन एक करते हुये अपनी फसल तैयार करते हुये उसे विक्रय करने के लिये पहुंचता है तो उसकी जो दाम मिलते है उसके चलते किसानों द्वारा अपनी खेती में लगाई गई लागत भी पूरी करना मुश्किल हो जाता है। वही ग्राम मऊ निवासी कृषक राधे श्याम कौरव का कहना है कि भले ही केन्द्र से लेकर प्रदेश की सरकार द्वारा किसानों को भ्रतिम करने के लिये अनेक प्रकार की बाते कही जा रही है। मगर खेतों में काम करने वाले किसानों की स्थिति की ओर किसी के द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है। यदि किसानों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो किसानों द्वारा पैदा की जाने वाली फसल का उन्हें जो दाम मिल रहा है उससे किसानों द्वारा खेती में लगाई जाने वाली लागत भी खड़ी नही हो पा रही है। क्योंकि इस समय क्षेत्र के अधिकांश किसान जहां गुड़ बनाकर बाजार में विक्रय करने ले जा रहे है, हर सप्ताह गुड़ मंडी में जिस तरह से गुड़ के दाम गिरते चले जा रहे है, उससे निश्चित ही क्षेत्र के गन्ना उत्पादक किसानों की कमर टूटने से नही चूक पा रही है। इस तरह सरकार द्वारा किसानों की स्थिति इस प्रकार से बना दी गई है कि वह चारो ओर परेशानियों से घिर चुका है।

शंकराचार्य स्वामी ने की गौ ध्वज स्थापना, गौमाता को संवैधानिक राष्ट्रमाता के लिये चलाया जा रहा है आंदोलन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। चारों पीठों के जगद्गुरु शंकराचार्यों के द्वारा गौमाता को संवैधानिक राष्ट्रमाता के सम्मान के लिए चलाएं जा रहें गौमाता राष्ट्रमाता गो प्रतिष्ठा आंदोलन के अंतर्गत बीते हुये पांच जनवरी को दयोदय गौधाम गाडरवारा में द्वारिका शंकराचार्य जी का आगमन हुआ। इस मौके पर सर्वप्रथम पूज्य पाद पश्चिमाम्नाय द्वारिका शारदा पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती महाराज के द्वारा गौमाता की पूजन की तत्पश्चात स्वामी के कर कमलों से गो ध्वज की स्थापना,और वृक्षारोपण किया। पूज्य शंकराचार्य जी ने सभा के समुपस्थित सभी जन को संबोधित करते हुए कहा कि इस धरती को ये सात पुण्य जीवात्मा धारण किए हुए हैं गौमाता, धर्मनिष्ठ ब्रम्हाण,वेद, सती स्त्री , सत्यवादी पुरुष, निर्लोभी और दानी जन - इन सात की वजह से पृथ्वी टिकी हुई है। स्वामी ने गौ महिमा को बताते हुए कहा कि गौमाता में तैंतीस कोटि देवता निवास करते हैं, इसे घास का एक तिनका खिलाने से तैंतीस कोटि देवताओं को भोग लगता है। इसलिए भारत के सौ करोड़ सनातन हिन्दू धर्मावलंबियों की आस्था को ध्यान में रखते हुए, देश और प्रदेश की सरकार को गोमाता को संवैधानिक राष्ट्रमाता की प्रतिष्ठा देना चाहिए, जिससे गौमाता की रक्षा हो सकें, क्योंकि गौमाता की हित से ही संपूर्ण चराचर जगत के जीवों का कल्याण छिपा हुआ है।जैसे की सर्वविदित है कि गौमाता की दुर्गति को सद्गति में परिवर्तित करने के लिए और उसकी प्रतिष्ठा को पुनः संपूर्ण भारत के जनमानस के हृदय में स्थापित करने के लिए चारों पीठों के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी के द्वारा, संपूर्ण भारत में गौ हत्या को बंद कराकर गौमाता को संवैधानिक राष्ट्रमाता की प्रतिष्ठा दिलाने हेतु चलायें जा रहें, गो प्रतिष्ठा आंदोलन के अंतर्गत इसके प्रथम चरण में संपूर्ण भारत के 36 राज्यों की राजधानी में पूज्य उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज के नेतृत्व,निर्देशन और पूज्य गौ गंगा कृपाकांक्षी गुरुदेव गोपालमणि महाराज के सानिध्य में संपूर्ण भारत में राज्यों की राजधानी स्तर पर गो प्रतिष्ठा के प्रतीक गो ध्वज की स्थापना विगत वर्ष 2024 के सितंबर-अक्टूबर माह में की गई। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी के निर्देशन में चल रहें इस गौमाता राष्ट्रमाता प्रतिष्ठा आंदोलन के द्वितीय चरण में संपूर्ण भारत के सभी राज्यों के जिला मुख्यालय से लेकर विधानसभा स्तर तक गो ध्वज स्थापना का कार्यक्रम पूज्य शंकराचार्य स्वामी और उनके द्वारा नियुक्त प्रतिनिधियों के द्वारा गो ध्वज स्थापना का क्रम संपूर्ण भारत में निरंतर जारी है। इस गौ ध्वज स्थापना के कार्यक्रम के अवसर पर बालाराम शास्त्री,राजीव जैन अध्यक्ष दयोदय गौधाम, बसंत जोशी, राजकुमार जैन अधिवक्ता, महेंद्र भार्गव गौ सांसद, अध्यक्ष भारत बचाओ आंदोलन, मिनेंद्र डागा, आनंद दुबे,मनोज वसा, मुकुंद मालपानी, मनोज अवस्थी, पार्षद,शुभम राजपूत, लोकेश पटेल, लकी सोनी, अमित कहार और बड़ी संख्या में अनेक महानुभाव और गौभक्तों की उपस्थिति रही।

शासकीय चिकित्सालय की बाउंड्री के पास शराबियों की जमघट से हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। आये दिन स्थानीय पुलिस थाने में आयोजित होने वाली बैठकों में पुलिस अधिकारियों द्वारा नगर में शांति व्यवस्था बनाने के लिए बड़ी बड़ी बाते तो की जाती है? मगर यदि उन्हें सच्चाई में देखा जावे तो सिर्फ वह बाते उसी बैठक तक ही सीमित होती हुई नजर आने से नही चूक पाती है? इस बात की सच्चाई वर्तमान में नगर में दिखाई दे रही है, लोगों का कहना है कि स्थानीय खेल ग्राउंड व स्थानीय शासकीय चिकित्सालय के पास बनी नई बाउन्ड्री बाल के पास प्रतिदिन शाम होते ही शराबियों का जमावड़ा लग जाता है,जिसके कारण इन स्थानों से निकलने वाले लोगों को जहा परिशानियों का सामना करना पड़ता है, वही यदि इस मार्ग से कोई भूलबस महिलाओं का निकलना होता है तो इन शराबियों की छीटाकशी के चलते उसे अपमानित तक होना पड़ता है? वही शासकीय चिकित्सालय की बाउन्ड्री के पास लग रहे शराबियों के जामवड़ा से तो वहा निवास करने वाले लोगों को परेशानी उठाना ही पड़ रही है, तथा दूसरी ओर पास में बने बंजारी माता पर दर्शन करने जाने वाली माँ बहिनों को भी इनको मनचनों की छीटाकशी का शिकार होकर अपमान का कड़वा घूट पीना पडं रहा है? जब भी बैठक का आयोजन होता है तो पुलिस अधिकारियों द्वारा शराबियों की मनमानी से निजात दिलाने के दाबे किये जाते है।

डोगरगांव सहित गाडरवारा पुलिस ने जप्त किये तम्बाखू से बने हुये उत्पाद व सिगरेट

गाडरवारा। स्कूल एवं कॉलेजों के आस-पास तम्बाखू से बने उत्पादों के प्रदर्शन एवं बिक्री पर पूर्णतः प्रतिबंध हेतु जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन में क्षेत्र की पुलिस द्वारा अभियान चालया जा रहा है। इसी के चलते बीते हुये गाडरवारा टीआई प्रियंका केवट व डोगरगांव थाना प्रभारी उमेश तिवारी द्वारा गाडरवारा पुलिस अनुविभाग क्षेत्र में डोगरगांव व गाडरवारा पुलिस द्वारा दुकानों के विरूद्ध कार्यवाही कर बड़ी मात्रा में तम्बाखू से बने उत्पाद एवं सिगरेट किये गये जप्त करते हुये दुकानदारों के विरूद्ध कोटपा एक्ट के तहत कार्यवाही। क्षेत्र के अंतर्गत स्कूल, कॉलेज के आस-पास 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को बगैर सूचना पटल के तम्बाखू उत्पादों के प्रदर्शन, उपयोग एवं विक्रय पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने हेतु पुलिस द्वारा अभियान चलाया जा रहा ताकि ऐसे दुकानदारों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही जो स्कूल, कॉलेज के आस-पास स्कूली बच्चों को तम्बाखू से बने उत्पादों का विक्रय करते है। इस तरह नियम विरूद्ध सामग्री विक्रेय करने वाले दुकानदारों के विरूद्ध कार्यवाही कर बड़ी मात्रा में तम्बाखू से बने उत्पाद एवं सिगरेट किये गये जप्त, दुकानदारों के विरूद्ध कोटपा एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत स्कूल, कॉलेज के आस-पास 100 मीटर के दायरे वाले स्थानों पर स्कूली बच्चों को तम्बाखू से बने उत्पादों बेचने एवं प्रदर्शन करने वाले वाले दुकानदारों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत गाडरवारा पुलिस द्वारा 02 दुकानदारों से विभिन्न कंपनियों के तम्बाखू से बने 36 गुटका पाउच, 6 पैकेट सिगरेट जप्त किये गये। इसी प्रकार समीपस्थ डोंगरगांव थाना प्रभारी उमेश तिवारी द्वारा भी क्षेत्र की 01 दुकानदारों से विभिन्न कंपनियों के तम्बाखू से बने 208 गुटका पाउच, 20 पैकेट सिगरेट जप्त की गयी है। पुलिस की इस कार्यवाही के चलते संपूर्ण क्षेत्र में हडकंप की स्थिति देखने मिल रही है।

छींद धाम के दर्शनों के लिये गया पैदल भक्तों का जत्था, बीते हुये 14 वर्षो से लगातार चल रहा यह कार्यक्रम

सांईखेड़ा। प्रतिवर्ष के अनुसार नये वर्ष की पावन बेला पर नगर के दादा भक्तों द्वारा सांईखेड़ा नगर के सिद्व हनुमान मंदिर जनपद पंचायत कार्यालय के समीप स्थित हनुमान मंदिर स पैदल छींदधाम के लिये दादा भक्तों का एक जत्था रवाना हुआ। बताया जाता है यह भक्त बीते हुये 14 वर्षो से नये वर्ष की पावन बेला पर हर साल पैदल छींदधाम के लिये जाते है। इस तरह देश प्रदेश व नगर में सद्भावना अमन शांति का संदेश देते हुये निकले हुये इस जत्थें में पदयात्रा कर रहे भक्तो जहां तहां लोगों ने स्वागत किया गया तो दूसरी ओर इस जत्थें में शामिल हनुमान जी के भक्तगण पैदल यात्रा करते हुये छींदधाम के लिये रवाना हुये जो आज मंगलवार को छिंदधाम पहुंचकर पूजन अर्चन करते हुये क्षेत्र की खुशहाली की कामना करेगे तथा उन्हें ध्वजा अर्पित करते हुये शांति की प्रार्थना की जावेगी।

नगर पालिका द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध को किया जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा तथा स्वास्थ्य शाखा सभापति शिवम राजपूत एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्देश में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग रोकने के लिए लोगों को पॉलिथीन के हानिकारक नुकसानों के बारे में समझाते हुये इसके प्रतिबंध को लेकर जागरूक किया गया। जिसमें नगर पालिका स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 नोडल अधिकारी सुश्री संध्या उइके के स्वच्छता प्रभारी संजय श्रीवास एवं अनुज धारू के द्वारा बाजार में आने वाले आम नागरिकों से सिंगल यूजस प्लास्टिक का प्रयोग न करने हेतु टीम द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। वही सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने के लिए जागरूकता अभियान में अपनी सहभागिता दी तथा प्लास्टिक से होने वाले नुकसानों को समझाने के साथ ही मार्केट में लगने वाली सब्जियों की दुकानों एवं आसपास की किराना दुकानों पर सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने दुकानदारों को भी समझाया गया कि वह ग्राहक से थैला का प्रयोग करने हेतु आग्रह किया गया और अपने शहर पर्यावरण को साफ-स्वच्छ बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

नगर में छायाकार संगठन का हुआ गठन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। निश्चित तौर से जब कोई भी संस्था हो गया फिर अलग अलग स्थानों पर कार्य करने वाले लोग उनके बीच एक साथ संगठन होता है तो विपरित परिस्थितियों में एक दूसरे के मददगार बनने से नही चूकते है। इसी लिये कहा जाता है कि संगठन में काफी मजबूती रहती है। इसी के चलते बीते हुये दिवस नगर में छायाकार संगठन मध्य प्रदेश के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में गाडरवारा छायाकार संगठन का गठन किया गया। कार्यक्रम का शुभारभ माँ सरस्वती के पूजन के साथ किया गया। वही कार्यक्रम में छायाकार संगठन मध्य प्रदेश के अध्यक्ष सूर्यकांत मेहरा ने संगठन की कार्य योजना पर प्रकाश डालते हुए छायाकारो को संगठन के द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी गई। साथ ही वर्ष 2025 के लिए नई योजनाओ को विस्तार से बताया कार्यक्रम के द्वितीय चरण में सर्वसम्मति से छायाकर संगठन गाडरवारा का गठन किया गया। इस तरह बनये गये नये संगठन में संतोष पुरी गोस्वामी अध्यक्ष, पवन नोरिया उपाध्यक्ष, नितेश कौरव सचिव, मुकेश बिलासपुरिया सहसचिव, दीपक कौरव कोषाध्यक्ष का दायितव दिया गया है। वही भरत भलावी सहकोषाध्यक्ष, राकेश कौरव प्रवक्ता, नीरज कौरव सहप्रवक्ता, शेख सलमान मीडिया प्रभारी, राहुल कौरव सह मीडिया प्रभारी के पद पर नियुक्त किया गया। इसके उपरांत छायाकार संगठन से जुड़े हुए स्वर्गीय विनीत जैन एवं स्वर्गीय उदय साहू को श्रद्धांजलि अर्पित की गई । इस पूरे आयोजन में संगठन के जिला अध्यक्ष अनुज ममार, सूर्यकांत मेहरा बनखेड़ी अध्यक्ष, वीरेंद्र पटेल सचिन शर्मा, हरिनारायण पटेल, शैलेंद्र कौरव, अंकित कौरव, निलेश मिर्धा, गोलू पांडे सहित बड़ी संख्या में छायाकारों की मौजूदगी रही।

क्षेत्र में बढ़ रही किसानों के कृषियंत्रों के चोरी होने की घटनाएं, चिंता में देखे जा रहे क्षेत्र के किसान

कल्याणपुर। इस समय जिस प्रकार से डोगरगांव पुलिस थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं घटित हो रही है उसके चलते क्षेत्र के लोग लगातार दहशत की स्थिति में तो देखी ही जा रहे है। वही दूसरी ओर पूर्व में घटित हुई अनेक बडी चोरी की घटनाओं का खुलासा करने में पुलिस सफलता जहां चर्चा का विषय बनी हुई है। मगर अब स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि किसानों के खेतों पर रखे हुए कृषि यंत्रों की चोरी की घटनाओं में बढ़ोत्तरी होने के कारण किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है? क्योंकि इस समय चल रहे कृषि कार्य के सीजन के चलते किसानों को सिंचाई हेतु मुश्किल से ही बिजली मिल पा रही है जिसके चलते किसान अपने खेतों में लगी हुई फसलों की सिंचाई बगैर ठंड की परवाह किये करने में लगा हुआ है। मगर जब देखा जाता है कि किसान अपने खेतों से थोडी देर के लिए जब अलग होता है तो वहां पर रखे हुए कृषियंत्रों पर अपने हाथ साफ करने वाले कोई मौका नही छोड़ रहे है जिसके चलते क्षेत्र के किसान दहशत में देखे जा रहे है इस प्रकार से किसानों के कृषि यंत्रों की चोरी की घटनाओं के चलते जहां क्षेत्र के किसानों को आर्थिक क्षति का सामना तो करना ही पड़ रहा है, वही दूसरी ओर उनके कृषि कार्यो में भी काफी व्यवधान पैदा हो रहा है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने मिल रही है, वही दूसरी ओर बताया जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में धडल्ले से चल रहे शराब के अवैध कारोबार का परिणाम ही है कि इस प्रकार से चोरी जैसी घटनाएं आम होती जा रही है? क्योकि इस भीषण महंगाई के दौर में जब युवाओं को इस प्रकार से नशे की लत लग जाती है

जमीनी विवाद पर बड़े भाई व भाभी ने छोटे भाई के साथ की मारपीट

डिंडौरी- कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सिधौली गांव में जमीनी विवाद पर बड़े भाई ने छोटे भाई के साथ मारपीट कर घायल कर दिया जिसकी षिकायत पीडित ने पुलिस में दर्ज कराया है। फरियादी अमृतलाल वास्पे पिता मंगलदास वास्पे उम्र 40 साल निवासी ग्राम पिपरिया ने पुलिस को बताया कि सोमवार को सुबह करीब 7 बजे मै सिधौली मे अपने खेत मे पानी लगा रहा था। तभी मेरा बडा भाई दीनदयाल वास्पे आया और मुझे गाली गलौज करते हुये कहने लगा कि यह तुम्हारी जमीन नही है, फिर तुम यहां क्यो पानी चला रहे हो। तब मै भाई दीनदयाल से बोला कि यह जमीन मेरी ही है, नाप भी हो चुका है, तुम अपनी हद मे गुजर करो। तब भाई दीनदयाल ने खेत मे पडा पत्थर उठाकर मेरे सिर में मार दिया, जिससे मेरे सिर में चोट लगकर खून निकलने लगा। मै वहा से भागा तो दीनदयाल की पत्नी देवकी बाई लकडी लेकर आयी और फिर दीनदयाल और उसकी पत्नी देवकी बाई दोनो मुझे पकडकर मारपीट किये है। फिर मेरी पत्नी और लडका जागेश्वर आकर बीच बचाव किये है। दीनदयाल और देवकी बाई ने दोबारा इस जमीन में आने पर जान से मारने की धमकी दी। रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध बीएनएस की धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पुरानी रंजिश पर पड़ोसी ने वृद्ध के साथ की मारपीट

डिंडौरी- कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत घानाघाट गांव में पुरानी रंजिश पर पड़ोसी ने वृद्ध के साथ मारपीट कर दी। पुलिस को पीड़ति राम सिंह ठाकुर पिता स्व. सेम लाल ठाकुर उम्र 61 वर्ष निवासी ग्राम घानाघाट ने बताया कि रविवार को मै खाना पीना खाकर रात करीब 09.30 बजे बाहर निस्तार करने के लिये निकला था। उसी समय घर के सामने रहने वाला लक्ष्मण राठौर घर के सामने खडा था, जो मुझे देख कर पुरानी रंजिश को लेकर गाली गलौच करने लगा। मेरे मना करने पर मुझे वहीं पास में पड़े पत्थर को उठाकर मारा है, जिससे मेरे बांये हाथ की कलाई में चोट लगी है, खून निकला है। उसी समय मेरा लडका गणेश ठाकुर एवं पडोसी इन्द्रपाल वहां पर आ गये और बीच बचाव किये। लक्ष्मण राठौर ने जान से मारने की भी दिया। फरियादी की रिपोर्ट पर बीएनएस की धारा 296,115 (2), 351 (3) का अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया।

सचिव, रोजगार सहायक हटाने को लेकर सीईओ को सौंपा ज्ञापन

सैकड़ों मजदूर हाथों में तगाड़ी-फावड़ा लेकर पहुंचे जनपद

शहपुरा। जनपद पंचायत शहपुरा के अंतर्गत ग्राम पंचायत करौंदी के सैकड़ों मजदूर सोमवार को काम की मांग को लेकर जनपद पंचायत कार्यालय शहपुरा पहुंचे। हाथों में तगाड़ी-फावड़ा लेकर पहुंचे मजदूरों ने कार्यालय के सामने जमकर नारेबाजी की और सरपंच-सचिव पर काम न देने का आरोप लगाया।सरपंच-सचिव पर गंभीर आरोप लगाते हुऐ मजदूरों ने बताया कि ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव पिछले कई महीनों से मनरेगा कार्य नहीं दे रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि जब भी काम की मांग की जाती है, तो कार्यस्थल पर जाकर यह कह दिया जाता है कि "सर्वर काम नहीं कर रहा" या फिर अन्य बहाने बना दिए जाते हैं। मजदूरों ने आरोप लगाया कि सरपंच-सचिव की लापरवाही और मिलीभगत के चलते गरीब मजदूर बेरोजगार हो रहे हैं।

जनपद सीईओ को सौंपा ज्ञापन

प्रदर्शन के दौरान मजदूरों ने जनपद पंचायत शहपुरा के सीईओ को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सचिव और रोजगार सहायक को हटाने के साथ ही मनरेगा के तहत जल्द से जल्द कार्य शुरू कराने की मांग की गई।

तत्काल हटाने की मांग

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने जनपद पंचायत अधिकारियों से सचिव और रोजगार सहायक को तुरंत हटाने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द ध्यान नहीं दिया गया, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

ग्रामीणों का दर्द

मजदूरों ने बताया कि काम न मिलने की वजह से उनके परिवार भुखमरी की कगार पर हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने गरीबों के लिए मनरेगा योजना शुरू की थी, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की लापरवाही से उन्हें इसका लाभ नहीं मिल रहा है।जनपद पंचायत शहपुरा के अधिकारियों ने मजदूरों को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायतों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।यह मुद्दा सिर्फ करौंदी गांव तक सीमित नहीं है, बल्कि शहपुरा के कई हिस्सों में मनरेगा के तहत कार्य समय पर नहीं मिलने की शिकायतें सामने आ रही हैं। जरूरत है कि शासन-प्रशासन इस दिशा में ठोस कदम उठाए, ताकि गरीब मजदूरों को उनका हक मिल सके।

भाखा में व्हालीवाल प्रतियोगिता का समापन

अमरपुर टीम ने भाखा ए टीम को हराया

अमरपुर। विकासखंड अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत भाखा माल में आदर्श क्लब नवयुवक मंडल द्वारा आयोजित व्हालीवाल प्रतियोगिता में लगभग 12 टीमों के मध्य मैच खेला गया। समापन अवसर पर देवेन्द्र साण्डया ग्राम पंचायत सरपंच, नवल सिंह धुर्वे मुक्कदम, एस एस मरावी, टी एस तेकाम, शकील अहमद, लल्लू बर्मन, अमजद खान, चंद्र बहादुर ठाकुर उप सरपंच, सेवा सिंह राजपूत सचिव, हेमंत ठाकुर सहायक सचिव, राजेन्द्र विश्वकर्मा सचिव, चंद्र सिंह उद्दे आयोजन समिति अध्यक्ष, तोप सिंह मरावी उपाध्यक्ष, प्रीतम दास गायग्वाल क्रीड़ा प्रभारी, विवेक वनवासी कोषाध्यक्ष, राकेश परस्ते सचिव, रोहित वनवासी सह सचिव, मूलचंद वनवासी खेल संरक्षक, मनीष गायकवाड़ खेल संचालक, राज कुमार बर्मन सह संचालक, सफीक खान, रोशन विश्वकर्मा, खुमान

ठाकुर आदि बतौर अतिथि मौजूद रहे। सभी अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए बेहतर खेल प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दी गई। इसके बाद अमरपुर एवं भाखा ए टीम के मध्य फाइनल मुकाबला खेला गया। अमरपुर टीम ने शानदार खेल प्रदर्शन करते हुए भाखा ए टीम को परास्त कर खिताब अपने नाम दर्ज करा ली। उपस्थित अतिथियों द्वारा विजेता टीम अमरपुर को 17 हजार रुपए व शील्ड उपविजेता टीम भाखा ए को 8 हजार रुपए व शील्ड एवं तृतीय विजेता टीम भाखा बी को 4 हजार रुपए व शील्ड प्रदान कर पुरूस्कृत किया गया। आयोजित प्रतियोगिता में उद्घोषक की भूमिका में दीपक तिलगाम एवं केजरीवाल मलगाम रहे। खेल के दौरान पूरे समय तक ग्रामीणजन एवं आसपास गांवों के हजारों खेलप्रेमी भारी ठंड के बावजूद भी देर रात्रि तक मौजूद रहे और खिलाड़ियों का ताली बजाकर उत्साह वर्धन करते रहे।

शहपुरा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स वर्षो बाद भी अधूरा

नगरवासियों ने की उच्च स्तरीय जांच और कार्रवाई की मांग

शहपुरा - नगर परिषद शहपुरा द्वारा मानस भवन प्रांगण में 2018 से निर्माणाधीन शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और बस स्टैंड की दुकानों का काम ठेकेदार कामदगिरि इंफ्रास्ट्रक्चर भोपाल को सौंपा गया था। लेकिन 5-6 वर्षों में भी निर्माण कार्य अधूरा है और घटिया सामग्री का इस्तेमाल स्पष्ट नजर आ रहा है। इससे नगरवासी और व्यापारी गुस्से में हैं।

शराबियों का अड्डा बन गया है। शाम के समय यहा शराब पीने वालों की भीड़ जुटती है, जिससे स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही है।

घटिया निर्माण का आरोप

शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है। दीवारों में दरारें, छतों से पानी का रिसाव, जंग लगा लोहा और कमजोर ईंटें इसकी पुष्टि करती हैं। ठेकेदार ने गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कोई टेस्ट लैब भी स्थापित नहीं की।

व्यापारियों में नाराजगी

2021 में दुकानों की नीलामी के दौरान व्यापारियों से 50% अग्रिम राशि जमा कराई गई थी। इसके बावजूद दुकानों का निर्माण अधूरा है। व्यापारी लंबे समय से दुकानें आवंटित करने या जमा राशि वापस करने की मांग कर रहे हैं।

शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं

व्यापारियों और नगरवासियों ने कई बार नगर परिषद और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की। विधायक ने ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने का मौखिक कहा गया था, लेकिन अब तक ठेकेदार पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

निर्माण स्थल बना शराबियों का अड्डा

अधूरे निर्माण के कारण शॉपिंग कॉम्प्लेक्स अब

जांच और कार्रवाई की मांग

नगर के वरिष्ठ नागरिकों और व्यापारियों ने संबंधित ठेकेदार, उपयंत्री और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। वही ठेकेदार का कहना है कि भुगतान नहीं हुआ है, इसलिए काम रुका है। नगर परिषद मे पदस्थ उपयंत्री रितिका के अनुसार, ठेकेदार को कुछ भुगतान हो चुका है, और निर्माण कार्य को लेकर नोटिस जारी किया गया है लेकिन वह काम नहीं कर रहा।

इनका कहना है-

इस सम्बन्ध मे हम अगली बैठक मे ठेकादार का टेंडर निरस्त कर नये टेंडर करवाने की बात रखेगे इसके साथ ही अगर ठेकेदार घटिया निर्माण को नहीं सुधारता को अमानत राशि से उसकी कटौती की जाएगी।

सतेंद्र सालवार
CMO शहपुरा

खेतों में पानी ले जाने के लिए किसान खुद कर रहे श्रमदान

करोड़ों खर्च के बाद भी किसानों को नहीं मिल रहा पानी

डिण्डौरी

जिले में जल संसाधन विभाग द्वारा बांध और नहर निर्माण के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च तो किए गए हैं मगर किसानों को पानी ही नहीं मिल पा रहा ,लिहाजा किसान हताश व परेशान होकर अपने खेतों में पानी ले जाने के लिए खुद से श्रमदान कर पुरानी नालियों की साफ सफाई में जुट गए हैं, शहपुरा के बिलगांव मध्यम सिंचाई परियोजना अंतर्गत नहर निर्माण के नाम पर जलसंसाधन विभाग द्वारा करोड़ो खर्च करने के बाद ,नहरों के माध्यम से करीब 43 गांव में पानी पहुंचाने का दावा तो किया जाता है मगर कई गांव में आज तक पानी ही नहीं पहुंच पाया , किसान अपने खेतों में पानी ले जाने के लिए अब खुद श्रम दान कर रहे है और जिम्मेदारों को आईना दिखा रहे हैं, मामला शहपुरा मुख्यालय से करीब पांच किमी दूर जिमरा गांव का है जहां किसान हाथों में फावड़ा गैंती लिए करीब सात साल पहले बने नाली की साफ सफाई कर रहे हैं , किसानों का कहना है कि उनके गांव से महज पांच सौ मीटर दूर बिलगढ़ा बांध की मुख्य नहर गुजरती है ,इसके अलावा गांव के आसपास माइनर नहर भी है बावजूद उन्हें पानी नहीं मिल रहा,हैरान करने वाली बात तो यह भी है कि किसानों को पानी देने के नाम पर तीन सौ रुपए की पर्ची भी दी जा रही है लेकिन किसान बताते हैं कि उन्हें पानी नहीं मिला बावजूद उनसे राशि वसूली जा रही है , किसानों ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि जहां पर वो नाली की सफाई कर रहे हैं उसके बाजू से ही विभाग द्वारा पक्की नाली जिसे काढ़ा कहा जाता है वह बना है लेकिन उससे कभी पानी नहीं मिला ,अब दर्जनों किसान खुद से मेहनत कर रहे हैं और जिस नाली की वो सफाई कर रहे हैं वहां जल संसाधन विभाग के रिकॉर्ड के मुताबित जिले के बांध और नहरों से हजारों हेक्टेयर भूमि सिंचित दर्ज है जबकि जमीनी हकीकत इससे परे है। वहीं इस मामले में किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रेवा झारिया ने जल संसाधन विभाग के जिम्मेदारों पर लापरवाही का

आरोप लगाते हुए नहर निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है ,वही जिले के कार्यपालन यंत्री एस.के. शर्मा नहरों में मरम्मत की बात कहते नजर आ रहे हैं ,अब देखना होगा किसानो को कब तक पानी नसीब होता है।

करोड़ों की संरचना महज दिखावा

जिले में जल उपलब्धता और संग्रह के लिए करोड़ों की अनेक संरचनाओं का निर्माण किया गया है जिनका मूल मकसद सिंचाई का रकवा बढाना है लेकिन निर्मित संरचनाएं सिर्फ दिखावा साबित हो रही है । सभी विकास खंडों में बांध और जलाषय के निर्माण कराये गये है और लगभग निर्माण के दषक बीत जाने के बाद भी किसानों को इनसे लाभ नही मिला है। बल्कि मुसीबत पैदा हो गई है। और निर्माण कार्य अब भी अलग अलग विभागों से कराये जा रहे है लेकिन उपयोगिता जमींन पर दिखाई नही दे रही है। शहपुरा अंतर्गत बिलगांव मध्यम परियोजना का लाभ किसानों को नही मिल पा रहा है वहीं मेंहदवानी के दनदना जलाषय के हाल भी कुछ कम नही है यहां सैकड़ों हेक्टेयर भूमि सिंचित के मद्देनजर बांध का निर्माण कराया गया था । लेकिन बांध से किसानों को पानी तो नही मिला बल्कि नहर में टूट फूट और जलाषय में रिसाव के कारण किसानों की फसले जरूर नष्ट हुई है। ऐसा ही कुछ हाल कुकर्रा जलाषय का है जहां करोड़ों की लागत से बना बांध सिर्फ दिखावा साबित हो रहा है। अधिकतर जलाषयों में सिंचाई की वजाए सिर्फ मछली पालन का केन्द्र बना दिया गया है। जिनमें गोरखपुर , भाखा, लाखो और रयपुरा बांध भी शामिल है।

औचित्यहीन संरचनाओं का किया गया निर्माण

जिले में अधिकतर जलाषय में रख रखाव और मरम्मत का अभाव है नहरों की देख रेख में भी कमी साफ दिखाई देती है जिसके कारण किसानों को समय पर फसलों के लिए पानी नही मिल पाता । नहर जर्जर और खरपतवार सहित मिट्टी से पटी हुई है जिसके कारण किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पा रहा है। शासन द्वारा नहर और जलाषयों के मरम्मत के लिए राषि आवंटित की जाती है मगर जिम्मेदार विभाग की उदासीनता के चलते खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। दूसरी ओर देखा जाये तो विभागीय अमले के द्वारा स्वार्थवस ऐसे स्थलों का संरचना के निर्माण के लिए चयन किया गया जिसका निर्माण औचित्यहीन था। आलम यह है कि कई जलाषय में बूंद भर पानी नही तो कई संरचनाओं का निर्माण सिंचाई के लिए नही बल्कि स्वार्थ साधने के लिए किया गया है।

एक्सपायरी डेट की सामग्री बेचने वाले व्यापारी के खिलाफ मामला दर्ज कार्यवाई के दौरान एक्सपायरी डेट की खाद्य सामग्री बरामद

डिंडौरी

जिले के शाहपुर थाना मुख्यालय में संचालित किराना दुकान संचालक के खिलाफ पुलिस ने एक्सपायरी डेट की सामग्री ग्राहक को बेचने पर मामला दर्ज किया है। पीड़ति ग्राहक द्वारा थाना में लिखित शिकायत की गई थी, जिसके आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को तुलाराम प्रजापति पिता गोविंदराम प्रजापति उम्र 35 साल निवासी विक्रमपुर शाहपुर ने लिखित शिकायत की थी। शिकायत में उल्लेख किया गया था कि शाहपुर मेन बाजार स्थित जगदीश साहू किराना व्यापारी द्वारा अपनी किराना दुकान से तुलाराम को एक्सपायरी डेट की खाद्य सामग्री सोनपापड़ी बेची गई है। पुलिस ने बताया कि किराना व्यापारी द्वारा यह जानते हुए कि एक्सपायरी तिथि के बाद की अनुपयुक्त खाद्य सामग्री को खाने व उपयोग में लाने से आम जन मानस में संक्रमण फैलने सहित

किसी बीमारी से ग्रसित होने की पूर्ण संभावना रहती है। इसके बाद भी संबंधित किराना व्यापारी द्वारा एक दिसंबर को तुलाराम प्रजापति को एक्सपायरी हो चुकी हल्दीराम कंपनी की पांच पैकेट सोनपापड़ी बेच दी गई। किराना व्यापारी जगदीश साहू निवासी ग्राम शाहपुर के खिलाफ बीएनएस की धारा 271, 275 का मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। मामला दर्ज होने के बाद फूड इंस्पेक्टर संध्या मार्को सहित थाना प्रभारी शाहपुर कुवंर सिंह मरावी, एएसआइ रामप्रसाद यादव, प्रधान आरक्षक शिवा पटेल, महिला आरक्षक पल्लवी पाराशर द्वारा मौके पर पहुंचकर आरोपित से पूछताछ की गई। पूछताछ में संबंधित व्यापारी द्वारा एक्सपायरी डेट की खाद्य सामग्री विक्रय करने की बात स्वीकार कर ली। इस दौरान दुकान में रखी एक्सपायरी डेट की अन्य खाद्य सामग्री की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान जगदीश साहू की किराना दुकान से एक्सपायरी डेट की सोनपापडी, बिस्किट, टकाटक आदि सामान पाया गया, जिसे मौके पर जब्त किया गया है। जब्त खाद्य सामग्री के परीक्षण के लिए फूड इन्पेक्टर द्वारा सेम्पल तैयार किया जाकर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

सीवर लाइन परियोजना में चल रही अनियमितताओं की कोतवाली पुलिस करेगी जांच

जिम्मेदारों पर आपराधिक मामला दर्ज कराने अधिवक्ता ने पुलिस अधीक्षक को लिखा पत्र

डिंडोरी- डिंडोरी में सीवर लाइन के काम की कछुआ गति और अन्य अनिमितताओं की शिकायत पर कोतवाली पुलिस जांच करेगी।इस बाबद अधिवक्ता सम्यक जैन ने पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा है और सीवर लाइन योजना के तहत सड़क खुदाई,आम जनों को होने वाली परेशानी के साथ रोजाना हो रहे हादसों पर सीवर प्रोजेक्ट से जुड़े जिम्मेदारों के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की है।गौरतलब है कि सोमवार के अंक में सीवर लाइन से हो रही परेशानियों पर खबर प्रकाशित की गई थी।जिसमे सीवर प्रोजेक्ट में बरती जा रहीं अनिमितताओं और हीलाहवाली पर सवालों उठाये गये हैं।जानकारी के मुताबिक एक दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद सीवर लाइन का काम अभी भी पूर्ण नहीं हो सका है। इतना लंबा समय बीत जाने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी हीलाहवाली बरत रहे हैं। जिससे आप नागरिक की गरिमा पर सवाल उठ रहे है। करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी सीवर लाइन अभी तक नागरिकों के लिए सुविधा नहीं बन पाई है। इसलिए तकनीकी पहलू की गहन जांच जरूरी

है।इसके साथ ही सड़कों के रेस्टोरेशन प्लान के मुताबिक कार्य नहीं की जांच की मांग भी उठ रही है।

'निस्तार के लिए उपयोग की मात्र छह इंच की पाइप लाइन'-

अधिवक्ता सम्यक जैन का कहना है कि शौचालय के अलावा अन्य निस्तारी पानी की निकासी किसी भी दशा में सीवर लाइन में डाली गई 6 इंच पाइप लाइन से संभव नहीं है। यदि इसमें निस्तारी लाइनों यानि नाली के पानी को जोड़ दिया जाता है तो इनसे निकलने वाले ठोस अवशिष्ट सॉलिड वेस्ट के कारण महज कुछ ही दिनों में पूरी लाइन चोक होने की पूरी संभावना है। जिसे बाद में साफ किए जाने की व्यवस्था और संसाधन इस परियोजना को आगे संचालित करने वाली डिंडोरी नगर परिषद के पास तो उपलब्ध नहीं है। नगर में जिस निस्तारी पानी की निकासी 1 से 1.5 मीटर लंबी, चैड़ी नालियों से संभव नहीं हो पा रही है उसकी निकासी सीवर लाइन के 6 इंचपाइप के माध्यम से कैसे सुगम और सुचारू रूप से हो पाएगी यह बड़ा सवाल है। उक्त परियोजना की डिटेल रिपोर्ट व स्वीकृत करने व लागू करने वाले अधिकारी कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध है जो ना केवल आम नागरिक के लिए परेशानी का सबब बना है बल्कि शासकीय राशि का दुरूपयोग भी हो रहा है। इस सीवर लाइन परियोजना पर यदि जिम्मेवार अधिकारियों ने समय रहते ध्यान नहीं दिया और तकनीकी जानकारों के बिना यदि इसे इसी तरह निपटाने पर रोक नहीं लगाई गई तो करोड़ो रुपए की यह परियोजना चंद महीनों में ठप्प हो सकती है और विकास के नाम पर सरकार द्वारा व्यय की गई करोड़ों रुपए की होली हो जाएगी। भविष्य में नगर की सड़कों के बीच बने गटर सड़कों पर उपनाते दिखाई देंगे जो डिंडोरी की छोटी सी नगर पंचायत के लिए बहुत बड़ी समस्या होगी।

'विपरीत परिस्थिति निर्मित होने पर कहलाएँगे दोषी'

समय रहते जरूरी है कि नगर परिषद के जिम्मेवार अधिकारी इसकी तकनीकी जानकारी प्राप्त कर सीवर लाइन ठेकेदार द्वारा की जा रही इस तरह की गड़बड़ीयों को सुधरवाने की कार्यवाही करें। जिले के जिम्मेदार अधिकारी इस तरह से मनमानीपूर्वक चल रहे सीवर लाइन के निर्माण कार्य पर उचित कार्यवाही करे ताकि कल सीवर लाइन विस्तार के नाम पर खोदी जा चुकी शहर भर की सड़कों के बीच बने चैंबरों से बाकी की बची हुई सड़के गंदगी और गंदे पानी से लथपथ न दिखाई दे और सरकार के द्वारा सीवर परियोजना के लिए व्यय की गई करोड़ो रुपए की राशि के इस विकास कार्य का लाभ नगर की आमजनता को मिल सके अन्यथा की स्तिथि में आने वाले समय में जिम्मेदारो के विरुद्ध विपरीत परिस्थिति निर्मित हो सकती है।

'हादसों की आशंका'-

मुख्य मार्ग के साथ अंदरूनी मार्गों पर सीवर लाइन बिछाने खोदी गई सड़कों के रेस्टोरेशन नहीं होने से हादसों की आशंका बनी हुई है।इसके साथ ही मुख्यमार्गों पर खोदे गये गड्ढों और निर्मित चैंबरों के नजदीक खतरा संकेतक नहीं लगाये जाने से लोग चोटिल हो रहे हैं।

इनका कहना है -

सीवर लाईन से संबधित षिकायत प्राप्त हुई है षिकायत में उल्लेखित बिन्दुओं पर जांच जारी है जिस पर नियमानुसार कार्यवाई की जावेगी ।

दुर्गा प्रसाद नगपुरे
कोतवाली प्रभारी डिण्डौरी

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई समय सीमा की बैठक

पीएचई एसडीओ शहपुरा को निलंबित करने और एसडीओ कृषि डिण्डौरी को नोटिस जारी करने के निर्देष

डिंडौरी - कलेक्टर हर्ष सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा बैठक ली। उन्होंने बैठक में विभागवार संचालित योजनाओं एवं कार्य प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने पीएचई विभाग के शहपुरा एसडीओ को जन शिविरों में बिना सूचना के अनुपस्थित होने के कारण निलंबित करने के लिए कार्यपालन यंत्री पीएचई को निर्देशित किया। इसी तरह समय-सीमा प्रकरण पर जांच में विलंब करने के लिए कलेक्टर श्री सिंह ने कृषि विभाग के एसडीएओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर हर्ष सिंह ने शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए चल रहे विभागीय अभियानों की समीक्षा की। उन्होंने 100 दिवस निक्षय अभियान की जानकारी ली। जिसमें बताया गया कि क्षय रोग उन्मूलन के लिए जिले में लगातार निक्षय अभियान के तहत स्क्रीनिंग की जा रही है। प्राप्त लक्ष्य से 34 प्रतिशत प्राप्ति की जा चुकी है। कलेक्टर श्री सिंह ने निक्षय अभियान के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

राजस्व महाअभियान 3.0 की समीक्षा

कलेक्टर हर्ष सिंह ने राजस्व महाअभियान 3.0 के संबंध में राजस्व मामलों की समीक्षा कर लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण, नक्शा तरमीम, पीएम किसान, आधार लिंकिंग, परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन, फार्मर रजिस्ट्री, स्वामित्व योजना का क्रियान्वयन का कार्य की समीक्षा की। कलेक्टर हर्ष सिंह ने नक्शे के बटांकन, आधार से लिंकिंग के लक्ष्य को पूरा करने के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि प्राथमिकता के साथ लक्ष्य को पूरा करें।

मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान की समीक्षा

कलेक्टर हर्ष सिंह ने मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत आयोजित किए जा रहे जन शिविर के संबंध में विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जन शिविर के तहत आए आवेदनों की स्थिति का आकलन सीएम हेल्पलाइन पोर्टल से किया। उन्होंने कहा कि जिन विभागों की हितग्राही मूलक योजनाओं के लक्ष्य पूरे नहीं हुए हैं, उन्हें चिन्हित कर पूरा करें। कलेक्टर श्री सिंह ने जन शिविर के दौरान अनुपस्थित रहे विभागीय अधिकारियों की जानकारी ली। जिसमें अनुपस्थित रहे विभागीय अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के लिए विभागों को निर्देशित किया। उन्होंने पीएचई विभाग के शहपुरा एसडीओ को जन शिविरों में बिना सूचना के अनुपस्थित होने के कारण निलंबित करने के लिए कार्यपालन यंत्री पीएचई को निर्देशित किया। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जन कल्याण शिविर में आ रहे आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण करें।

धान उपार्जन की समीक्षा

कलेक्टर हर्ष सिंह ने जिले में हो रहे धान उपार्जन के संबंध में विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने उपार्जन केन्द्रों में सर्वेयर, बारदाना, पेयजल, मापतौल कांटा सहित अन्य अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। जिसमें बताया गया कि खरीदी, भण्डारण और परिवहन का कार्य किया जा रहा है। बताया गया कि सभी 33 केन्द्रों में उपार्जन कार्य किया जा रहा है। 9 हजार किसानों से 33 हजार मीट्रिक टन धान उपार्जन किया जा चुका है। किसानों को उपार्जन का भुगतान लगातार किया जा रहा है। उपार्जित धान का 89 प्रतिशत परिवहन किया जा चुका है। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देशित करते हुए कहा कि उपार्जन के दौरान अधिकारीगण निरीक्षण करें, उन्होंने कहा कि संबंधित व्यवस्थाओं पर सतत निगरानी रखें कलेक्टर हर्ष सिंह ने आगामी आनंद उत्सव की तैयारी के संबंध में जानकारी ली। जिसमें निर्देशित करते हुए कहा कि आनंद उत्सव के आयोजन के लिए संबंधित एसडीएम योजना बनाकर कार्य करें। आनंद उत्सव के तहत क्षेत्रीय खेल गतिविधियों में अधिक से अधिक लोगों को शामिल करें। कलेक्टर हर्ष सिंह ने युवा दिवस पर सूर्य नमस्कार एवं गणतंत्र दिवस की तैयारियों के संबंध में संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर हर्ष सिंह ने बैठक में पीएम जनमन के तहत संबंधित विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए पीएम जनमन आवास, विद्युत आपूर्ति, पीएम स्वनिधि, आंगनबाड़ी, आयुष्मान भारत कार्ड, नलजल, आदि की जानकारी ली। उन्होंने पीएम जनमन आवास के तहत गत सप्ताह की प्रगति व द्वितीय एवं तृतीय किस्त की राशि व नवीन स्वीकृतियों के संबंध में जानकारी ली।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, मंगलवार 7 जनवरी 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

परिक्रमा वासियों को किया भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सोमवार को शहर में नर्मदा परिक्रमा वासियों का उत्साह उमंग और भक्तिमय वातावरण में स्वागत किया गया। जगह-जगह नर्मदा परिक्रमा वासियों पर फूल बरसाए गए जलपान कराया गया। वही गुरुद्वारा चौक के समीप बाखर में विवेक पटेल के परिवार द्वारा आयोजित भंडारे में सभी ने प्रसादी ग्रहण की। उल्लेखनीय की 23 दिसंबर से धर्मानुरागी मनीष जाट काका एवं उनके सहयोगी साथियों द्वारा तीन बसों से जरूरतमंदों को नर्मदा परिक्रमा कराई जा रही है। सोमवार को नर्मदा परिक्रमावासी का नरसिंहपुर से निकलने पर उनका स्वागत सत्कार किया गया और स्वागत रैली गुरुद्वारा चौक से नरसिंह मंदिर तक पहुंची। नरसिंह मंदिर में सभी ने सामूहिक रूप से पूजा की और भगवान नरसिंह से आशीर्वाद लिया। नरसिंह मंदिर परिसर में सभी भक्तगण गाते बजाते झूमकर नाचे। यहां से सभी यात्री ओंकारेश्वर के लिए रवाना हुए। जानकारी अनुसार 23 दिसंबर से प्रारंभ हुई यह नर्मदा परिक्रमा यात्रा 9 जनवरी की शाम को खत्म होगी।

संविधान गौरव अभियान को लेकर भाजपा की बैठक संपन्न

नरसिंहपुर। सोमवार को भाजपा कार्यालय मे आगामी 11 जनवरी से 25 जनवरी तक चलने वाले संविधान गौरव दिवस अभियान की तैयारियों को लेकर बैठक जिला भाजपा अध्यक्ष इंजी. अभिलाष मिश्रा की अध्यक्षता व नर्मदापुरम सांसद चैधरी दर्शन सिंह, तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल एवं भाजपा नेताओं की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए श्री मिश्रा ने कहा कि संविधान की 75 वे गौरवशाली वर्ष के अंतर्गत संविधान निर्माता भारत रत्न श्रद्धेय भीमराव अम्बेडकर जी के सम्मान में संविधान गौरव अभियान मनाया जाना है जिसके अंतर्गत जिला मुख्यालयों पर गोष्ठियों का आयोजन अनु.जाति मोर्चा द्वारा गोष्ठियों का आयोजन, युवा मोर्चा द्वारा संपर्क अभियान व मंडल स्तर पर संविधान पर चर्चा कार्यक्रमों का आयोजन करना है।

मेला स्थल पर पहुंचकर देखी व्यवस्थाएं

कलेक्टर एवं एसपी ने बरमान मेला की तैयारियों का किया मॉक ड्रिल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सोमवार को कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले एवं एसपी श्रीमती मृगाखी डेका ने बरमान मेला की तैयारियों का जायजा मेला स्थल पर पहुंचकर लिया। इस मौके पर जिले के सभी आला अधिकारी, पुलिस विभाग, नगर पालिका, स्वास्थ्य विभाग, जनपद पंचायत का अमला मौजूद था। कलेक्टर श्रीमती पटले ने यहां की जा रही तैयारियों की प्रगति देखी। जिसमें मेला स्थल पर साफ - सफाई, कचरा प्रबंधन, मोबाइल टॉयलेट्स, डस्टबिन रखने, पर्याप्त और सुचारू विद्युत व्यवस्था निर्बाध रूप से सुनिश्चित करने, पेयजल की लाइन बिछाने, वाहनों की पार्किंग, फ्लेक्स, बैनर और संपूर्ण मेला परिसर में पॉलीथिन के उपयोग की बजाय कपड़े अथवा कागज की थैलियों के उपयोग को प्रोत्साहित करने निर्देशित किया। ठंड को देखते हुए मेला स्थल पर जगह- जगह अलाव जलाने और पर्याप्त लकड़ियों की सुनिश्चितता करने के भी निर्देश उन्होंने दिए।

पर्याप्त संख्या मे लगाए गए कैमरे

अधिकारी द्वय ने मेला स्थल पर पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरा, अस्थायी कंट्रोल रूम में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी, स्थानीय अमले की नामजद ड्यूटी पहचान पत्र के साथ लगाने के लिए भी स्पष्ट निर्देश मौके पर दिये। नर्मदा नदी में जलस्तर एक समान बना रहे। इसके लिए उन्होंने बरगी परियोजना जबलपुर के अधिकारी को अवगत कराने एवं उनसे लगातार संपर्क में रहने के निर्देश दिये। लोक निर्माण विभाग अमले द्वारा माँ नर्मदा जी की आरती मंच, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नदी तट पर जालियां लगाने का कार्य शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण करने के लिए कहा। इसके अलावा लोगों और श्रद्धालुओं को नर्मदा नदी गहराई की जानकारी देने के लिए लाल झण्डियां और संकेतक भी लगवायी जाये जिससे कोई अनहोनी ना हो।

श्रद्धालुओं को ना हो असुविधा

कलेक्टर श्रीमती पटले ने होमगार्ड एवं एसडीआरएफ की टीम की तैनाती, गोताखोरों की टीम, लाइफ जैकेट, लाइट, रस्सी आदि की भी पर्याप्त उपलब्धता पहले से सुनिश्चित करने के आवश्यक निर्देश दिये। इस कड़ी में अधिकारीद्वय द्वारा दीपेश्वर मंदिर जाकर भी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को असुविधा ना हो उसका विशेष ध्यान रखा जाये। मेला परिसर में स्वास्थ्यकर्मियों की ड्यूटी, एम्बुलेंस, स्ट्रेचर आदि के लिए सीएमएचओ को तैयारियां करने के लिए निर्देशित किया। मेला स्थल पर दुकानदारों के व्हाट्सएप ग्रुप और मोबाइल नंबर की जानकारी रखी जाये ताकि आवश्यक सूचनाओं का आदान प्रदान किया जा सके।

वाहनों की हो चैकिंग

विदित है कि मेले का शुभारंभ 12 जनवरी को किया जाएगा। नर्मदा जयंती तक चलने वाले इस मेले में अन्य जिलों से श्रद्धालु आते हैं। इस अवधि में काफी बड़ी संख्या में लोगों का आना जाना होता है। परिवहन विभाग का अमला राष्ट्रीय राजमार्ग पर चलने वाली बसों की चेकिंग करें। बसों के लाइसेंस, उनकी फिटनेस भी जाँचे। बसों में किराया सूची प्रदर्शित की जायें। बरमान मेला स्थल पर इस दौरान संबंधित एसडीएम, एसडीओपी, थाना प्रभारी, तहसीलदार सहित अन्य संबंधित अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे।

स्कूल के सामने गुटखा बेचने वालों पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज़- नरसिंहपुर। गत दिवस कोतवाली पुलिस द्वारा स्कूल के समीप गुटखा सिगरेट बेचने वालों पर कार्रवाई की गई । पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नगर के मध्य स्थित उत्कृष्ट विद्यालय के पास गुटखा, सिगरेट को व्यापार करने वालों पर पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार कार्रवाई की गई। नरसिंहपुर पुलिस द्वारा जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों के पास नशीले पदार्थों का विक्रय करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। उक्त कार्रवाई मे नशीले पदार्थ जप्ती कर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

डॉ महोबे ने राष्ट्रीय कार्यशाला में बनाया महाकुम्भ का चित्रण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शासकीय महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर के विभागाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर के चित्रकार डॉक्टर यतीन्द्र महोबे ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय चित्रकूट उत्तर प्रदेश में दिनांक 30 दिसंबर 2024 से 03 जनवरी 2025 के मध्य आयोजित चित्रकुट और प्रयाग महाकुंभ एक आध्यात्मिक यात्रा विषय पर 03 कलाकृतियाँ तैयार की. ये कलाकृतियाँ महाकुंभ विषय को स्पष्ट रूप से परिलक्षित करती दिखाई पड़ती है इस पांच दिवसीय कार्यशाला में देश के विभिन्न हिस्सों से आये कलाकारों ने अपनी तूलिका के माध्यम से संबंधित विषय पर कलाकृतियां तैयार की. ये समस्त कलाकृतियों की प्रदर्शनी प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में प्रदर्शित की जाएगी. डॉ महोबे ने अपनी कलाकृतियों के माध्यम से नरसिंहपुर जिले को महाकुम्भ तक पहुंचाने का प्रयास किया है आमंत्रित समस्त कलाकारों को विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा सम्मानित भी किया गया।

क्षेत्रीय नदियों पर स्टाप डेम बनने से बढ़ेगा जल स्तर और फसलों को मिलेगा पानी

तेंदूखेड़ा। नर्मदा उत्तराखंड में बहने वाली पांडाझिर,बरांझ और सिंदूर नदियों पर स्टाप डेम बनने से इन नदियों में लंबे समय तक पानी भरा रहेगा बल्कि आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों का जमीनी जल स्तर बढ़ने के साथ फसलों को समय समय पर पर्याप्त पानी मिलता रहेगा।दो दर्जन से अधिक गांवों को इसका फायदा होगा,इस विषय को काफी लंबे समय से उठाया तो जा रहा है लेकिन औपचारिकता निभाते ही आगे गति नहीं ले पाता। नर्मदा उत्तराखंड के अंतर्गत सागर जिले की सीमा से लगे झिरा घाटी से लेकर बिजोरा पीपरवानी पान से लेकर उधर आदिवासी बाहुल्य ग्राम ढिलवार मौआखेडा तक पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। चूंकि पांडाझिर,बरांझ और सिंदूर नदियों का भी निकलना इन्हीं जंगली क्षेत्रों से हुआ करता है। बरसात के दिनों में तो पर्याप्त मात्रा में पानी रहता है लेकिन गर्मी आते आते अनेकों स्थानों पर नदी सूखने लगती है। चूंकि उक्त पांडाझिर नदी देवरी विजोरा मानकपुर तरफ से होती हुई गुटोरी बरकुंडा डोभी तरफ से आगे निकल जाती है।इसी तरह से बरांझ नदी भी रम्पुरा खमरिया बरांझ कठोतिया इमझिरा खेरुआ काचरकोना ईश्वरपुर से आगे गंग ई भामा होते हुए आगे की तरफ बढ़ जाती है। इसी तरह से सिंदूर नदी भी मदनपुर पीपरवानी से आगे बंधी टपरियों तरफ आगे निकल जाती है।इन नदियों के बाजू से अनेकों ग्रामीण क्षेत्र जुड़े हुए हैं लेकिन इसका उचित उपयोग ना हो पाने के कारण पानी रहते हुए प्यासे बनें हुए हैं।

इन नदियों पर स्टाप डेम बनने से जहां कृषि उपज को पर्याप्त मात्रा में पानी मिलेगा वहीं नदियों के बाजू से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में हेंडपंपो ट्यूब बेलों में भी पर्याप्त मात्रा में पानी मिलेगा।जमीनी जल स्तर भी बढ़ जायेगा।चूंकि पिछले कई वर्षों से इस विषय को क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा गंभीरता उठाया भी गया लेकिन शासन प्रशासन स्तर पर केवल औपचारिकता ही निभाई जाती रही है।

मवेशियों को मिलेगा पीने योग्य पानी

जंगली क्षेत्रों से निकली इन नदियों पर स्टाप डेम बनने से जहां जंगली क्षेत्रों से लगे जानवरों को पानी की उपलब्धता होगी वहीं मवेशियों को भी पीने योग्य पानी मिलेगा। वर्तमान में पानी चारे भूसे की समस्या के चलते ही पशु पालक अपने अपने मवेशियों को खुला छोड़ देते हैं।जो मुसीबत का कारण बनते हैं। एवं असहाय मवेशी भी भूख और प्यास से तड़पते हुए देखे सुने जाते हैं।जबरन खेतों में घुसकर फसलों को नुक़सान पहुंचाया करतें हैं।

सिन्दूर नदी में मगरों का डेरा

मदनपुर के समीप बहने वाली सिंदूर नदी पर आगे टपरियों और इटुआ के बीच नदी में बड़ी संख्या में मगरों का डेरा बना हुआ है। पहले तो एक दो मगरें देखने को मिला करतीं थीं लेकिन अब तो यहां दो दर्जन से अधिक छोटी बड़ी मगरें मदनपुर तालाब तक धावा बोला करतीं हैं।चरवाहे, और मछली पकड़ने वाले भी इनकी गिरिफ्त में आ चुके हैं । अनेकों मवेशी, बकरियां भी इनका निवाला बन चुकीं हैं।

खस्ताहाल सड़क से टोल टैक्स वसूली

गोटेगांव- नरसिंहपुर से गोटेगांव-शाहपुरा जाने वाली सड़क पर कई जगह पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। वहीं कई जगह पर सड़क की हालत पूरी तरह से खस्ताहाल हो चुकी है। ऐसी सड़क पर शहपुरा एवं बहोरीपार के पास सड़क विकास निगम के द्वारा माल वाहकों से राशि वसूलने के लिए अपने टोल नाका लगाए है और उसके माध्यम से माल वाहनों से वसूली की जा रही है।इस वसूली से निजी वाहनों को दूर रखा गया है। मगर जो वाहन आने जाने का टोल नाका पर राशि दे रहे हैं। ऐसे वाहनों को सड़क पर मौजूद अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ रहा है। सड़क मार्ग पर अनेक जगह पर ऐसे गड्ढे हो गए है कि यदि वाहन चालक इन गड्ढों को बचाने का प्रयास करता है तो क्रासिंग के समय हादसा होने की संभावना बनी रहती है। इस सड़क पर माल वाहकों से वसूली करने के बाद भी सुधारने की दिशा में किसी प्रकार के कोई कदम नही उठाए जा रहे है। जो अस्त व्यस्त सड़क पर चलने के बाद भी विभाग वसूली करने से नहीं चूक रहा है। वही यह गड्ढे हादसों का कारण भी बन हैं,इसके कारण उक्त सड़क मार्ग से चलने वाले माल वाहनों की तादाद बहुत कम हो गई है और जिन वाहन वालों को उक्त सड़क से जाने की मजबूरी है वही माल वाहक यहां से निकल रहे हैं। संबंधित विभाग उक्त सड़क को दुरूस्त कराने की दिशा में कदम उठाए ताकि इस सड़क पर सफर करने वाले वाहनों को आवागमन में सहूलियत प्राप्त हो सके।

हरिभूमि खबर का असर, मुआर रोड पर तिरछे खंबों को किया सीधा

गोटेगांव-स्थानीय तहसील के अंतर्गत ग्राम मुआर पहुंच मार्ग के किनारे लगे हुए बिजली विभाग के खंभे पूरी तरीके से झुक चुके थे जिसकी खबर को विगत दिवस हरिभूमि संवाददाता ने प्रमुखता इस मुद्दा को उठाया था। जिसका असर यह हुआ कि बीते दिन विद्युत विभाग गोटेगांव के सहायक अभियंता ने मौके पर अधिकारियों कर्मचारियों की टीम को मुआर रोड पर पहुंचा कर हाइड्रा ट्रैक्टर की मदद से रोड़ किनारे और खेतों में आड़े तिरछे झुके हुए खाबो को सीधा कर दुरुस्त किया।विदित हो इसी मार्ग से मां नर्मदा का मुआर घाट पड़ता है जहां से आसपास के ग्रामवासियों का आना-जाना लगा रहता है आवागमन की दृष्टि से यह मार्ग व्यस्त रहता है।

अधूरा पड़ा पेयजल टंकी का निर्माण

गोटेगांव -जनपद पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत अनेक ग्राम पंचायत में पायली जलप्रदाय योजना का कार्य कई साल से चल रहा है। मगर इसका लाभ गांव के लोगों को कब तक मिलेगा। इसका कोई भरोसा नजर नहीं आ रहा है। महगुवा गांव की पेयजल टंकी का निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है। इस योजना के तहत गांव स्तर पर पेयजल टंकी का निर्माण किया गया। जहां पर कुछ स्थल पर पेयजल टंकी का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। वहीं कई जगह पर ठेकेदार के द्वारा कार्य समय पर पूरा नहीं करने से पेयजल टंकी का कार्य अधूरा ही पड़ा हुआ है। इसी प्रकार जिस गांव में उक्त योजना के तहत पेयजल लाइन घर-घर जाना है। वहां पर पाइप लाइन बिछाने के बाद नल कनेक्शन कर दिए गए हैं, मगर उनसे ग्राम के लोगों को पानी कब तक मिलेगा यह नहीं बताया जा रहा है। जिसके कारण गांव के लोग पेयजल योजना का कार्य पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

आशा कार्यकर्ताओं ने वेतन भुगतान न होने से पूर्व राज्यमंत्री को सौपा ज्ञापन

गोटेगांव। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात आशा कार्यकर्ताओं ने वेतन भुगतान न होने पर पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल के निवास पहुंचकर ज्ञापन सौपा और मांग की है कि हम साथी आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत है हम सभी अपनी पूर्ण निष्ठा एवं मेहनत से सभी कार्य करते हैं। हमारे कार्य का भुगतान 3 माह से नहीं किया गया हम सभी ने कलेक्टर महोदया को लिखित ज्ञापन देकर उन्हें शिकायत सुनाई उनके आश्वासन से बोला गया था कि दो-तीन दिन में के अंदर वेतन का भुगतान कर दिया जाएगा लेकिन तीन माह के भुगतान की जगह केवल वेतन का 10% ही दिया गया। जबकि हमारे मोबाइल में एसएमएस में हर माह देयक बिल हम देते हैं उसमें पूरी राशि भुगतान का मैसेज दिया जाता है। स्वास्थ्य विभाग में जब हम कम वेतन या हमारे काटे गए वेतन की जानकारी लेते हैं तो हमसे बोला जाता है कि ऊपर से फंड नहीं आया है या फिर बोला जाता है की कलेक्टर मैडम ने वेतन रोका है जबकि नरसिंहपुर के अन्य ब्लॉकों में आशा कार्यकर्ताओं का पूरा वेतन बिना कोई राशि काटे वेतन दिया जा रहा है इससे प्रतीत होता है कि। गोटेगांव ब्लॉक की केवल आशाओं की वेतन में ऊपर से आए फंड की राशि को भी हमें भुगतान नहीं किया जा रहा।दो-तीन माह हम कार्य करते हैं और हमें केवल एक माह का वेतन का थोड़ा सा अंश दिया जा रहा है इतनी कम राशि में हम अपने परिवार का भरण पोषण कैसे करें। हम सभी का आर्थिक शोषण किया जा रहा है एवं हमें मानसिक तनाव दिया जा रहा है। यदि हम शिकायत करते हैं तो हमें कार्य से पृथक करने के लिए कहा जाता है। फंड नहीं आया मैडम ने रोका है इतनी ही राशि दी जाएगी ऐसा बोल दिया जाता है सही जानकारी भी नहीं दी जाती।

आशा कार्यकर्ताओं ने कहा हम जो कार्य करते हैं उसके पूरे वेतन की राशि भुगतान कर दिया गया है अपने खाते से मिलान करें ऐसा मैसेज मोबाइल में दिया जाता है। तो हमारे वेतन की राशि हम तक क्यों नहीं आ रही इसकी पूर्ण रूप से जांच कराई जाए एवं हमारे रुके हुए वेतन को दिलाया जाए आगे से वेतन में बिना कोई कटौती के हर माह वेतन दिया जाए।